⇒ 5 अगस्त 2019 को जम्मू और कश्मीर पुनर्गठन अधिनियम 2019 द्वारा अनुच्छेद 370 समाप्त कर दिया गया और राज्य को पुनर्गठित कर दो केंद्र शासित प्रदेश - जम्मू और कश्मीर तथा लद्दाख बना दिए गए।

(उ) पंजाब :—

⇒ सन् 1980 के दशक में पंजाब में भी बड़े परिवर्तन आए। बाद में इसके कुछ हिस्सों से हरियाणा और हिमाचल प्रदेश नामक राज्य बनाए।

⇒ सन् 1966 में पंजाबी - भाषी प्रांत का निर्माण हुआ। सिखों की राजनीतिक शाखा के रूप में सन् 1920 के दशक में अकाली दल का गठन हुआ। अकाली दल ने 'पंजाबी सूबा' के गठन का आंदोलन चलाया।

(i)⇒ राजनीतिक संदर्भ :—

⇒ सन् 1970 के दशकों में अकालियों के एक वर्ग ने पंजाब के लिए स्वायत्तता की माँग उठाई। सन् 1973 में आनंदपुर साहिब में हुए एक सम्मेलन में इस आशय का प्रस्ताव पारित हुआ।

⇒ इस प्रस्ताव में सिख "कौम" की आकांक्षाओं पर बल देते हुए सिखों के 'बोलबाला' (प्रभुत्व या वर्चस्व) का ऐलान किया गया। धार्मिक नेताओं के एक वर्ग ने स्वायत्त सिख पहचान की बात उठाई।

⇒ कुछ चरमपंथी वर्गों ने भारत से अलग होकर 'खालिस्तान' बनाने की वकालत की।

Page No.: PANKAJ
Date : / /

(ii) हिंसा का चक्र :—

⇒ शीघ्र ही आंदोलन का नेतृत्व नरमपंथी अकालियों के हाथों से निकलकर चरमपंथी तत्वों के हाथ में चला गया और आंदोलन ने सशस्त्र विद्रोह का रूप ले लिया।

⇒ जून 1984 में भारत सरकार ने 'ऑपरेशन ब्लू स्टार' चलाया। यह अमृतसर के स्वर्ण मंदिर में की गई सैन्य कार्रवाई का कूट नाम था। इस सैन्य - अभियान में सरकार ने उग्रवादियों को तो मार गिराया लेकिन ऐतिहासिक स्वर्ण-मंदिर को क्षति भी पहुँची।

⇒ प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की 31 अक्टूबर, 1984 के दिन उनके आवास के बाहर उन्हीं के अंगरक्षकों ने हत्या कर दी। ये अंगरक्षक सिख थे और 'ऑपरेशन ब्लू स्टार' का बदला लेना चाहते थे। इस घटना से उत्तर भारत के कई हिस्सों में सिख समुदाय के विरुद्ध हिंसा भड़क उठी।

(iii) शांति की ओर :—

⇒ सन् 1984 के चुनावों के बाद सत्ता में आने पर नए प्रधानमंत्री राजीव गांधी ने नरमपंथी अकाली नेताओं से बातचीत की शुरुआत की।

⇒ अकाली दल के तत्कालीन अध्यक्ष हरचंद सिंह लोंगोवाल के साथ जुलाई 1985 में एक समझौता हुआ। इस समझौते को राजीव गांधी 'लोंगोवाल समझौता' अथवा 'पंजाब समझौता' कहा जाता है।

Page No.:
Date: / /

⇒ समझौते में इस बात पर सहमति हुई कि पंजाब को चंडीगढ़ दे दिया जाएगा और साथ ही पंजाब - हरियाणा - राजस्थान के बीच रावी - व्यास के पानी के बँटवारे का फैसला भी किया जाएगा।

⇒ समझौते के अंतर्गत सरकार पंजाब में उग्रवाद से प्रभावित लोगो को मुआवजा देने और उनके साथ बेहतर सलूक करने पर राजी हुई।

⇒ हिंसा का चक्र लगभग एक दशक तक चलता रहा। उग्रवादी हिंसा और इस को दबाने के लिए की गई कार्यवाइयों में मानवाधिकार का व्यापक उल्लघंन हुआ।

⇒ 1990 के दशक के मध्यवर्ती वर्षों में पंजाब में शांति बहाल हुई

⇒ 1997 में अकाली दल और भाजपा के गठबंधन को बड़ी विजय मिली।

⇒ धार्मिक पहचान यहाँ के लोगों के लिए लगातार प्रमुख बनी रही है लेकिन राजनीति अब धर्मनिरपेक्षता की राह पर चल पड़ी है।

(4.) पूर्वोत्तर :—

⇒ पूर्वोत्तर में क्षेत्रीय आकांक्षाएँ सन् 1980 के दशक में एक निर्णायक मोड़ पर आ गई थी। पूर्वोत्तर क्षेत्र में सात राज्य है और इन्हें 'सात बहने' कहा जाता है। 22 किमी. लम्बी एक पतली - सी राहदारी (रास्ता) इस इलाके को शेष भारत से जोड़ती है।

⇒ पूर्वोत्तर के पूरे इलाके में व्यापक स्तर पर राजनीतिक पुनर्गठन हुआ है। नागालैण्ड को सन् 1960 में राज्य बनाया गया। मेघालय, मणिपुर और त्रिपुरा सन् 1972 में राज्य बने जबकि अरुणाचल प्रदेश और मिजोरम को सन् 1987 में राज्य का दर्जा दिया गया।

(i) स्वायत्तता की माँग :—

⇒ गैर-असमी लोगों को जब लगा कि असम की सरकार उन पर असमी भाषा थोप रही है तो इस इलाके से राजनीतिक स्वायत्तता की माँग उठी।

⇒ इन लोगों ने 'ईस्टर्न इंडिया ट्राइबल यूनियन' का गठन किया जो 1960 में कहीं ज्यादा व्यापक 'आल पार्टी हिल्स कांफ्रेंस' में तब्दील हो गया।

⇒ 1972 तक पूर्वोत्तर का पुनर्गठन पूरा हो चुका था। लेकिन स्वायत्तता की माँग खत्म न हुई। छोटे-छोटे और निरंतर लघुतर होते राज्य बनाते चले जाना संभव नहीं था।

⇒ संघीय व्यवस्था में कुछ और प्रावधानों का उपयोग करके स्वायत्तता की माँग को संतुष्ट किया गया इन समुदायों को असम में ही रखा गया।

⇒ करबी और डिमसा समुदायों को जिला-परिषद् के अन्तर्गत स्वायत्तता दी गई जबकि बोडो जनजाति को हाल ही में स्वायत्त परिषद् का दर्जा दिया गया है।